मेरा इटली, पास से देखा हुआ

अप्रत्याशित होने के अपने फ़ायदे हैं, पर अपने अंधे कोने भी — वे पल जब उम्मीद की जाती है कि स्पष्टता अपने आप आ जाएगी। और वह आती है। बस इंतज़ार करना आना चाहिए। जो कोई इतालवी प्रतिभा नहीं।

कोई पूर्व-योजना नहीं, कोई आयोजन नहीं। यह काम उनके लिए आरक्षित है जिन्हें चिंतनशील दिखने के लिए अच्छा भुगतान मिलता है, जबकि असली आँक़ड़े सहजबोध और अंतर्ज्ञान से बंधे रहते हैं — दो निरपेक्ष मूल्य, यह कभी न भूलते हुए कि हम सक्षम स्त्रियों की संतानें हैं। इसे कभी मत भूलना।

अमेरिकी इसे सहजता से “वर्क इन प्रोग्रेस” कहते हैं। हम इतालवी, हमारे पास प्रबंधकीय दृष्टि नहीं है, और दो हज़ार साल बाद भी हम अपने पदों का बचाव कर रहे हैं — इस बात पर बहस करते हुए कि किसके पास क्या था, पर सच में कभी यह नहीं कि किसके पास सच में क्या था — प्राचीन रोमनों को याद करते हुए: जलसेतु और शौचालयों के कुशल निर्माता, वश्यता, आधिपत्य, हड़प, भेदभाव के गुरु, अंतहीन मनोरंजन और भोग-विलास में लिपटे, बहुत से दुर्गुण और थोड़े गुण। वह लोग जिन्होंने उस साथी को क्रूस पर चड़ा दिया जो दो हज़ार साल पहले एक शब्द, एक किताब लेकर आया था — बेज़ोस और अमेज़न के आगमन की घोषणा करने नहीं, बल्कि बस यह दिखाने कि दूसरों की ख़ाल पर कैसे कोई व्यवसाय बनाया और अपनाया जाता है।

वह लोग जिन्होंने आखिर में सब कुछ खो दिया, और हमारे लिए बस सार्वजनिक मूत्रालय और सरकार में मेलोनी छोड़ गए — उस अमेरिकी भालू का सामना करते हुए, जो अब भी यह मानने से इनकार करता है कि वह जन्म से ही एक स्त्री से हार चुका है, बस इसलिए क्योंकि उसने एक दिन पैसे से एक ख़ूबसूरत स्त्री को झुका दिया था।

जो वह नहीं जानता, वह यह है कि किसी स्त्री की दिखती हुई अधीनता ही असली छुपी हुई विजय है — जिसे बस ख़ाली जेबों वाला विकसित पुरुष ही पड़ह सकता है। और जब उसकी पूँजी बड़ती और जमा होती जाती है, वह इस ताकत को अपने ही हाथों में संवारती है, ठीक उतना ही थामे हुए जितना वह संभाल सकती है, जैसे कोई क्रूपिये कैसीनो की मेज़ संभालता है।

इटली। एक एसा देश जहाँ बीस दिन की छुट्टियाँ मनाने आते हैं, अच्छा खाते हैं, और फिर तुरंत चले जाते हैं।

क्योंकि यह कोई एसी जगह नहीं जिसकी मैं सिफ़ारिश करूं।

नान्दो